पाठ 8

कौन ?

चाँद	प्यास	मुस्काता
प्रश्न	निर्मल	इन्द्रधनुष

अगर न होता चाँद, रात में
हमको दिशा दिखाता कौन ?
अगर न होता सूरज, दिन को
सोने–सा चमकाता कौन ?

अगर न होतीं निर्मल नदियाँ
जग की प्यास बुझाता कौन ?
अगर न होते पर्वत, मीठे
झरने भला बहाता कौन ?

अगर न होते पेड़, भला फिर
हरियाली फैलाता कौन ?
अगर न होते फूल बताओ,
खिल–खिलकर मुस्काता कौन ?

अगर न होते बादल, नभ में
इंद्रधनुष रच पाता कौन ?
अगर न होते हम, तो बोलो,
ये सब प्रश्न उठाता कौन ?

शिक्षण संकेत – लयबद्ध कविता पाठ करें और बच्चों को दुहराने को कहें। पहाड़, नदी, झरने, पेड़–पौधे, आदि पर चर्चा कर बच्चों को पर्यावरण की सरल छोटी–छोटी बातों से अवगत कराएँ। उनकी भाषा में कविता का अर्थ बताएँ एवं कठिन शब्दों के अर्थ से भी परिचित कराएँ।

शब्दार्थ

नभ	=	आकाश	जग	=	दुनिया, संसार
पर्वत	=	पहाड़	प्रश्न	=	सवाल
हरियाली	=	चारों ओर हरे–भरे, पेड़–पौधों का होना।			
निर्मल	=	बिना मैल का, स्वच्छ, साफ			

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

नभ, पर्वत, निर्मल, हरियाली, मिट्टी

2. समझकर एक–एक वाक्य में उत्तर लिखो।

क. जिस रात चाँद नहीं निकलता, वह रात कैसी लगती है?

———————————————————————

ख. दिन में उजाला हमें किससे मिलता है ?

———————————————————————

ग. हरियाली किनके कारण दिखाई पड़ती है ?

———————————————————————

घ. इंद्रधनुष में कितने रंग होते हैं ?

———————————————————————

3. अगर तुम्हें इस कविता का नाम बदलने को कहे तो तुम क्या नाम दोगे और क्यों?

4. क्या तुमने इन्द्रधनुष कभी देखा है ? देखा है तो तुम्हें कौन – कौन से रंग दिखाई देते हैं, बताओ।

5. चित्र बनाकर रंग भरो –

(पेड़, पर्वत, सूरज, नदी, फूल, इंद्रधनुष)

34ZIJE